

ब्रह्मलोक पुं. (तत्.) 1. वह लोक जहाँ ब्रह्मा रहते हैं, ब्रह्मा का लोक, ब्रह्मधाम 2. मोक्ष का एक भेद।

ब्रह्म लेख पुं. (तत्.) जीव के गर्भ में आते ही विधाता द्वारा मस्तक पर लिखा गया भाग्य।

ब्रह्मवाक्य पुं. (तत्.) 1. आप्त वाक्य 2. वेद वाक्य 3. ऐसा कथन जो संदेह से परे हो, अटल सत्य।

ब्रह्मवाणी स्त्री. (तत्.) वेद।

ब्रह्मवाद पुं. (तत्.) वह दार्शनिक सिद्धांत जिसके अनुसार संपूर्ण विश्व ब्रह्ममय है, उसका उद्भव ब्रह्म से हुआ है तथा ब्रह्म ही उसका संचालन करता है।

ब्रह्मवादी वि. (तत्.) 1. शुद्ध चैतन्य स्वरूप ब्रह्म का बोध कराने वाला, ब्रह्मवाद का अनुसरण करने वाला, वेदांती 2. वेदों का अध्ययन एवं अध्यापन करने वाला 3. ब्रह्मवाद-संबंधी पुं. संपूर्ण विश्व को ब्रह्ममय मानने वाला व्यक्ति।

ब्रह्मविद् वि. (तत्.) 1. ब्रह्म को जानने वाला, ब्रह्मज्ञ 2. वेदों के अर्थ एवं तत्त्व को सम्यक् जानने वाला, वेदज्ञ पुं. ब्रह्मवेत्ता ऋषि, वेदांती।

ब्रह्मविद्या स्त्री. (तत्.) 1. ब्रह्म का ज्ञान कराने वाली विद्या (ज्ञान), ब्रह्म ज्ञान, तत्त्वज्ञान, आध्यात्म विद्या 2. महाशक्ति, दुर्गा, पार्वती।

ब्रह्मवृत्ति स्त्री. (तत्.) ब्राह्मण की वृत्ति, ब्राह्मण की आजीविका।

ब्रह्मवेत्ता वि. (तत्.) ब्रह्म का ज्ञाता, ब्रह्मज्ञ, ब्रह्मज्ञानी, तत्त्वज्ञानी।

ब्रह्मवैवर्त पुं. (तत्.) 1. अट्ठारह पुराणों में एक पुराण का नाम 2. ब्रह्म का विवर्त (जगत) ब्रह्म के कारण प्रतीयमान।

ब्रह्म समाज पुं. (तत्.) उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक काल में प्रख्यात समाज-सुधारक राजा राममोहन द्वारा स्थापित समाज जिसका उद्देश्य ब्रह्म को सर्वोपरि उपास्य के रूप में ग्राह्य मानकर अन्य देवी-देवताओं की उपासना का विरोध किए बिना समाज-सुधार करना था, इस समाज की मान्यताओं के अनुसार ज्ञान-प्राप्ति

के लिए जाति-पाँति का भेद नहीं किया जाता, इस समाज का मूलमंत्र है- 'ॐ तत् सत्'।

ब्रह्म-सूत्र पुं. (तत्.) 1. यज्ञोपवीत जिसे द्विज (ब्राह्मण, क्षत्रिय तथा वैश्य) धारण करते हैं 2. व्यासकृत शारीरिक सूत्र 3. बादरायण द्वारा रचित वेदांत दर्शन के सूत्र।

ब्रह्महत्या स्त्री. (तत्.) ब्राह्मण का वध, ब्राह्मण की हत्या, इसे महापातक माना जाता है।

ब्रह्मांड पुं. (तत्.) चौदह भुवनों का समूह, अनंत लोकों से युक्त संपूर्ण विश्व लाक्ष. सिर लाक्ष. कपाल, खोपड़ी।

ब्रह्मांड-मीमांसा स्त्री. (तत्.) खगो. ब्रह्मांड में स्थित तारों, ग्रहों नक्षत्रों आदि के उद्भव, वृद्धि एवं विनाश-संबंधी विवेचन (अं.) कॉस्मोलॉजी cosmology

ब्रह्मा पुं. (तत्.) 1. त्रिदेवों में से एक, विश्व की सृष्टिका कर्ता देवता, विधाता, धाता, हिरण्यगर्भ, प्रजापति, पितामह 2. यज्ञ का एक ऋत्विक्।

ब्रह्माणी स्त्री. (तत्.) ब्रह्मा की शक्ति, पत्नी, वे सप्तमातृकाओं में से एक के रूप में पूजी जाती हैं, उन्हें ब्राह्मी एवं सावित्री भी कहा जाता है।

ब्रह्मानंद पुं. (तत्.) ब्रह्मतत्त्व की अनुभूति से प्राप्त अलौकिक आनंद, समाधि की अवस्था में ब्रह्म का साक्षात्कार होने पर प्राप्त होने वाला अनंत आनंद।

ब्रह्मावर्त पुं. (तत्.) 1. वेद का आवर्त, वेद के प्रसार का स्थान 2. सरस्वती तथा वृषद्वती नदियों का मध्यवर्ती प्रदेश 2. उत्तर-प्रदेश में कानपुर के निकटवर्ती तीर्थ-स्थान 'बिठूर' तथा उसके समीप का स्थान।

ब्रह्मास्त्र पुं. (तत्.) यंत्रचलित एक अत्यंत घातक, अमोघ एवं दिव्य अस्त्र लाक्ष. कभी विफल न होने वाली युक्ति।

ब्राह्मण भोजन पुं. (तत्.) 1. एक अथवा अधिक ब्राह्मणों को सादर निमंत्रित कर कराया जाने वाला भोजन 2. ब्राह्मणों को भोजन कराना।

ब्रह्म राक्षस पुं. (तत्.) दे. ब्रह्म-पिशाच।

ब्रह्मरात्रि स्त्री. (तत्.) ब्राह्म मुहूर्त दे. ब्राह्म-मुहूर्त।